

50550

4698 1000Rs.



12/5

50550
 19/5

210 20 20
 24/25-26
 26. 11 2000
 19/10

19/5/2000

320
 45-80
 250
 294
 368
 324

13 05
 7 75
 310
 2390

19/05/24

यह विक्रय-पत्र आज दिनांक 17 माह मई सन् 2000 ई. को इस प्रकार सम्पन्न हुआ।

1. विक्रेता :- श्रीमती पार्वती देवी पति श्री गोविन्द प्रसाद, जाति स्वर्णकार, पेशा गृहणी निवास स्थान - सेफ्ट स्ट्रीट हिन्दपीढ़ी धाना हिन्दपीढ़ी जिला राँची भारतीय नागरिक।
2. क्रेता :- मिथलेश कुमार सिंह पिता श्री उमाकान्त सिंह, जाति हिन्दू, पेशा नौकरी, निवास स्थान क्वार्टर नं० डी. टी. 1885 धुर्वा धाना हटिया जिला राँची भारतीय नागरिक।

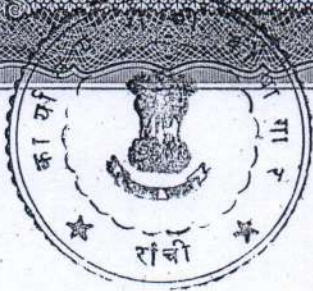
"विक्रेता और क्रेता" सम्बोधनों में जब तक अन्यथा अपेक्षित अथवा प्रसंग के प्रतिकूल न हो उनके कारिस, उत्तराधिकारी - गण, प्रशासक, निष्पादक, प्रतिनिधि और सुपुर्ददार भी सम्मिलित माने जायेंगे। "

3. लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र १ से ल डी ड १।
4. मूल्य मात्र :- 15,510/- पन्द्रह हजार पाँच सौ रुपये

[Handwritten Signature]



11/11/21



- 3 -

संदर्भ

विदित हो कि उपरोक्त भूमिगत रिजिजनल सर्वे कृतियान में रघुनन्दन राम, कोल्हा राम, सहदेव राम एवं बोधो राम पिता रामदीन राम एक हिस्सा एवं नन्दकेशर राम पिता खेटु राम के नाम कायमी दर्ज है। तथा कैम्प कॉलेज में बकब्ये नन्दकेशर राम दर्ज है। नन्दकेशर राम उक्त जमीन पर शान्ति पूर्वक दखलदार चले आ रहे थे, सन् 1945 में नन्दकेशर राम की पत्नी अचानक काफी बिमार हो गयी, ईलाज कराने हेतु इन्हें रुपये की सहत आवश्यकता आ पड़ी अतएव नन्दकेशर राम, श्रीमती पार्वती देवी पति श्री गोबिन्द प्रसाद से 1000/- एक हजार रुपये का कर्ज लिए तथा एक शकरारनामा लिखकर दिये कि अगर दो वर्ष के अन्दर कर्ज लिया रुपया नहीं लौटा पायेंगे तो उक्त जमीन लिख देंगे, और उक्त जमीन श्रीमती पार्वती देवी के जिम्मे दे दिये।

उक्त रुपया समयानुसार श्रीमती पार्वती देवी को नहीं लौटा सके, कुछ वर्ष बाद नन्दकेशर राम अपने पिछे दो पुत्र जानकी राम एवं गणेश राम को छोड़कर मर गये, गणेश राम अपने पिछे अपने एकमात्र पुत्र भीम राम को छोड़कर मर गये।

सन् 1962 में श्रीमती पार्वती देवी पति श्री गोबिन्द प्रसाद मुनसीफ के न्यायालय में टाईटल सुट मुकदमा, जानकी राम एवं भीम राम के विरुद्ध दायर किये जिसका मुकदमा संख्या टा0मु0 148 वर्ष 1962 दर्ज

350 रुपया देवी देवी
14/05/21

[Handwritten signature]



- 4 -

हस्ताक्षर। उक्त मुकदमें में प्रतिवादी न्यायालय में सुलहनामा लिखकर दे दिये, और उक्त जमीन वादी श्रीमती पार्वती देवी को राजी खुशी से सौंप दिये।

तदुपरान्त न्यायालय बादी के पक्ष में फैसला दिया इसके बाद श्रीमती पार्वती देवी अपना नाम अंचल कार्यालय, नामकुम रांची में दाखिल खारीज कराकर सालाना मालगुजारी, बिहार सरकार को भुगतान करते हुये सालाना रसीद प्राप्त करते आ रही हैं। तथा उक्त जमीन में शान्ति पूर्वक दखलदार है।

कुछ आवश्यक कार्य करने एवं बच्चों को व्यवसाय करने तथा मकान बनाने हेतु बिक्रेता को कुछ रुपये की आवश्यकता आ पड़ी अतएव उक्त जमीन में से 8.44 डी0 बिक्री करने का प्रस्ताव क्रेता के समक्ष रखी जिसे सरकारी तय दर के अनुसार 15,500/-रु0 में क्रेता खरीदन करने को तैयार हुई जिसे बिक्रेता उचित समझे कर बिक्री करने को तैयार हुई। अतएव इस विक्रय पत्र द्वारा प्रतिपादित किया जाता है कि :-

1. यह कि बिक्रेता अपने तन मन की स्वस्थावस्था में अपने हित और लाभ का विचार कर अपने विवेक और स्वेच्छा से बिना किसी अन्य के डराव धमकाव बहकाव दबाव या फुसलाव के उक्त भूमि शराजी 8.44 डीसमील भूमि को उक्त कारणों और उक्त प्रतिफल राशि 15,500/-रु0 के बदले सब प्रकार के ऋण भार से मुक्त क्रेता के साथ बेच दिये, हस्तान्तरित की और सौंप दी।

श्रीमती पार्वती देवी
1A/05/2K



(Handwritten signature)

CORRECTION SLIP SHOWING MUTATION IN RESPECT OF THANES IN ESTATES IN GOVERNMENT

Sub-division ... Circle / Anchal ... Halka ...

Name of State ... Number ...

Sl. No.	Mutation cash number in Register 27	Village	Thana and Thana Number	Number of tenancy to which the mutation relate	Authority sanctioning mutation with date of order	Whether mutation is due to sale gift exchange succession or partition	Full details of exchanges affected by mutation	Date of correction of the Halka Register by the Karmachari	Rem
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
	470R27 2000-01	हवु	जगरनाथपुर 298		अंचल अधीकारी नामकुम का आदेश दिनांक: 9.12.2K	बिक्री निबंधन सं.- 4628 दिनांक: 17.5.2000	श्री मिथिलेश कुमार सिंह, पिता-श्री उमाकांत सिंह, क्या. नं. डी.ली. 1885 पूर्वा, रांची के नाम उक्त जमीन में दारिद्र्य स्वार्थित ही स्वीकृति ही जाती		
		रवाना नं. 68	कॉमिट नं. 545	रकबा 8.44 डि. (आठ दशमलव चौकालिस डिगमिटर)	जमान No D=25				

433
457
IV 02 IV
129
12/12/2000



Memo No.

Date

Forwarded to the Karmachari, Halka No.

for information any necessary action

Circle Officer / Anchal

Circle Anchal Adhikari

नामकुम

III

Handwritten signature

Handwritten signature and date



राँची नगर निगम, राँची।

झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 152 (3) के अन्तर्गत स्वनिर्धारित किये गये सम्पत्ती कर की सूचना।

Memo No : SAM/054/0120/19/20
Date : 24-04-2019
प्रभावी : प्रथम तिमाही 2016-2017

श्री/श्रीमती/सुश्री
MITHILESH KUMAR SINGH S/O UMA KANT SINGH

पता
URJA NAGAR LATMA ROAD SINGH MORE

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आपका नया गृह सं.- 054000661500020 एवं नया वार्ड सं. 51 (पुराना वार्ड सं. 54) हुआ है. आपके स्व-निर्धारण घोषणा पत्र के आधार पर वार्षिक किराया मूल्य 0.00/- रु. निर्धारित किया गया है।
इसके अनुसार प्रति तिमाही कर निम्न प्रकार होगा।

स्व-निर्धारित कर की सूचना		
क्रम सं.	Particulars	Amount (In Rs.)
1.	गृह कर	170.74
2.	जल कर	0.00
3.	शौचालय कर	0.00
4.	बिजली कर	0.00
5.	अतिरिक्त गृह कर (वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था नहीं होने के कारण)	0.00
कुल राशि (प्रति तिमाही)		170.74



To be signed by the Applicant

नोट:-

- कर निर्धारण की सूची, राँची नगर निगम Website, www.ranchimunicipal.com पर प्रदर्शित है।
- नियमावली कंडीका 11.4 के आलोक में वर्षा जल संरक्षण की व्यवस्था नहीं होने के कारण अतिरिक्त गृह कर लगाया जायेगा जो सम्पत्ति कर का 50% होगा।
हिदायत दी जाती है कि, वर्षा जल संरक्षण संरचना लगा कर निगम को सूचित करे तथा अतिरिक्त गृह कर से राहत पाये।
- प्रत्येक वित्तीय वर्ष में सम्पत्ती कर का भुगतान त्रैमासिक देय होगा।
- यदि किसी वर्ष के लिए सम्पूर्ण घृति कर का भुगतान वित्तीय वर्ष के 30 जून के पूर्व कर दिया जाता है, तो करदाता को 5% की रियायत दी जाएगी।
- किसी देय घृति को निर्दिष्ट समयावधि (प्रत्येक तिमाही) के अन्दर या उसके पूर्व नहीं चुकाया जाता है, तो 1% प्रतिमाह की दर से साधारण ब्याज देय होगा।
- यह कर निर्धारण आपके स्व-निर्धारण एवं की गई घोषणा के आधार पर की जा रही है, इस स्व-निर्धारण-सह-घोषणा पत्र की स्थानीय जांच यथा समय निगम करा सकती है एवं तथ्य गलत पाए जाने पर नियमावली कंडीका 13.2 के अनुसार निर्धारित शास्ति (Fine) एवं अंतर राशि देय होगा।
- राँची नगर निगम द्वारा संयहित इस सम्पत्ति कर इन इमरता/दांचों को कोई कानूनी हैसियत प्रदान नहीं करता है और/या न ही अपने मालिकों / दखलकार को कोई कानूनी अधिकार प्रदान करता है।
- अगर आपके नये होल्डिंग नं० का आखिरी अंक 5/6/7/8 है तो यह विशिष्ट संरचनाओं की श्रेणी के अन्तर्गत माना जायेगा।